वीरेन्द्र जैन के उपन्यासों में युग-चेतना

डॉ. उमा मेहता

भारतीय साहित्य संग्रह
pustak.org

Scanned by CamScanner

वीरेन्द्र जैन के उपन्यासों में युग-चेतना

डॉ. उमा मेहता

आसिस्टन्ट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

राजकीय कॉलेज, सुरेन्द्रनगर

(गुजरात)

प्रकाशक

भारतीय साहित्य संग्रह

Scanned by CamScanner

Virendra Jain Ke Upanyason Me Yug-Chetna
by
Dr. Uma Mehta

© उमा मेहता

आई एस बी एन
978-1-61301-598-8

संस्करण
प्रथम, अप्रैल 2017

मूल्य
395.00 रुपये

टाइपसेटिंग एवं मुद्रण
कानपुर ग्राफिक्स

प्रकाशक
भारतीय साहित्य संग्रह
118/390, कौशलपुरी, कानपुर, उ. प्र. भारत
24, लॉकवुड ड्राइव, प्रिंसटन, न्यू जर्सी, यू.एस.ए.
email : info@pustak.org
www.pustak.org

Scanned by CamScanner

वीरेन्द्र जैन के उपन्यासों में युग-चेतना

डॉ. उमा मेहता

भारतीय
साहित्य
संग्रह
pustak.org

Scanned by CamScanner

अनुक्रमणिका

1. वीरेन्द्र जैन : जीवन-यात्रा एवं कृतित्व 17

जीवन-यात्रा 17
कृतित्व 18
उपन्यास-साहित्य 19
कहानी-साहित्य 20
व्यंग्य-साहित्य 21
बालकथाएँ 21
चित्रकथाएँ 21
कृतियों का वस्तुगत परिचय 22
उपन्यास-साहित्य 22
सुरेखा-पर्व 22
उसके हिस्से का विश्वास 25
प्रतिदान 27
डूब 29
पार 31
सबसे बड़ा सिपहिया 32
शब्दबध 33
तलाश 35
पंचनामा 37
वीरेन्द्र जैन : पुरस्कार और सम्मान 38
संदर्भ-संकेत 39

2. साहित्य और युग-चेतना 40

साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप 41
युग-चेतना : अर्थ एवं स्वरूप 43
साहित्य और युग-चेतना 47
साहित्य की जमीन और युग-चेतना के विभिन्न कोण 48
सामाजिक चेतना 49
राजनीतिक चेतना 49

Scanned by CamScanner

सांस्कृतिक चेतना 50
आर्थिक चेतना 52
निष्कर्ष 52
संदर्भ-संकेत 52
3. **वीरेन्द्र जैन के उपन्यास और सामाजिक चेतना** 54
शोषित नारी 54
स्त्री उत्पीड़न और बलात्कार 56
गलत परंपरा व रूढ़ियों का शिकार नारी 58
शोषण और अत्याचार की आग में डूबा कृषक-समाज 60
विस्थापन की त्रासदी 63
प्रेम और यौनवृत्ति 66
विवाहप्रथा एवं दहेजप्रथा 69
सामाजिक चेतना : प्रतीक पात्र 71
छल-कपट और षड़यंत्र 76
समाज में असुरक्षा 80
अनाथ बच्चों की दुर्दशा 84
अनाथाश्रम में भ्रष्टाचार 88
निष्कर्ष 90
संदर्भ संकेत 90
4. **वीरेन्द्र जैन के उपन्यास और राजनीतिक चेतना** 96
विकास बनाम विनाश 97
सरकारी नसबंदी का घिनौना और क्रूर अभियान 101
भ्रष्ट और अनैतिक पुलिसतंत्र 103
सत्ता का नशीलापन 109
पुलिसतंत्र षड़यंत्रों का भंडार 113
राजनीतिक अनैतिकता 118
गाँववालों का आदिवासियों पर बरसता कहर 121
निष्कर्ष 124
संदर्भ-संकेत 124

Scanned by CamScanner

5. वीरेन्द्र जैन के उपन्यास और सांस्कृतिक चेतना 127

सांप्रदायिकता 128

वर्णव्यवस्था और अस्पृश्यता 129

अंधश्रद्धा 133

तीज-त्यौहार 136

पूजा-पाठ 138

शिक्षा 141

रीति-रिवाज 144

आदिवासी संस्कृति 146

निष्कर्ष 149

संदर्भ-संकेत 149

6. वीरेन्द्र जैन के उपन्यास और आर्थिक चेतना 152

प्रकाशन जगत : आर्थिक शोषण 152

लेखकों का शोषण 156

भ्रष्टाचार 160

मुआवजा बनाम इंतजार 163

निष्कर्ष 169

संदर्भ-संकेत 169

7. वीरेन्द्र जैन के उपन्यासों में युग-चेतना : समग्र मूल्यांकन 171

उपसंहार 196

Scanned by CamScanner

डॉ. उमा मेहता

जन्म : 13 नवम्बर 1981, सुरेन्द्रनगर, गुजरात।

शिक्षा : एम.ए.(2004), एम.फिल.(2005), पीएच.डी. (2011)
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात से।

सम्प्रति : आसिस्टन्ट प्रोफेसर (GES-II), हिन्दी विभाग,
एम. पी. शाह आर्ट्स एन्ड सायन्स कॉलेज (गवर्नमेन्ट),
सुरेन्द्रनगर , गुजरात।

सम्मान : सहज मार्ग शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई (2004)
में आयोजित अखिल भारतीय निबंध- लेखन स्पर्धा में
"हमारा असली दुश्मन हमारे अंदर ही है" शीर्षक विषय
पर गुजरात में प्रथम स्थान।

भारतीय साहित्य संग्रह
pustak.org

Bhartiya Sahitya Sangrah

• 24, Lockwood Drive, Princeten, New Jersy, U.S.A
• 118/3 90 Kaushalpuri, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh, India
www.pustak.org • info@pustak.org
: +91-7007810944

Scanned by CamScanner